Details of these projects are given in the Statement.

Statement

UNDP assisted projects/programmes in Madhya Pradesh

Sl. No.	Name of the Project	Starting Year Duration	UNDP Contribution	Objectives
1.	Development and Strengthening of Integrated Pest Management (IPM) in India	1994 5 years	US $ 2,375,000	i) Upgradation of IPM technology for rice, sugarcane, oilseeds, pulses and vegatables; ii) Development of appropriate traning and extension modules for IPM technology; iii) Assistance in the formulation of national strategy for the IPM Programme in the 9th Five Year Plan.
2.	Development of Oilseeds and Pulses Programme	1996 2 years	US $ 2,600,000	i) Strengthening the technology application capabilities to demonstrate the cultivation of nutritionally better varieties of rapeseed; ii) Managing the problem of afflatoxin in groundnuts; iii) Increasing the capacities to produce planting materials for oil palm; iv) Train farmers and trainers in the Cultivation of oil palm and shattering resistant varieties of soyabeans, etc.

सौराष्ट्र क्षेत्र में रेल सुविधाओं का विकास

647. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सौराष्ट्र क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विकास के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम लागू किये गये हैं;

(ख) अब तक लागू किये गये कार्यक्रमों की क्या उपलब्धियां रही है;

(ग) क्या इन कार्यक्रमों की अब तक कोई समीक्षा की गई है;

(घ) उक्त योजनावधि के दौरान उक्त कार्यक्रमों के अन्तर्गत सौराष्ट्र क्षेत्र में विशेषकर राजकोट मंडल में कितनी केन्द्रीय सहायता स्वीकृत की गई है; और

(ड़) इस कार्यक्रम को और सुदृढ़ बनाने हेतु क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) (ख) और (ड़) गांधीधाम-भुज का आमान परिवर्तन बजट में शामिल कर लिया गया है और कार्य इस वर्ष प्रारंभ किया जाएगा। भुज-नलिया के आमान परिवर्तन का सर्वेक्षण भी प्रारंभ किया गया है। सर्वेक्षण रिपोर्ट उपलब्ध हो जाने पर इस परियोजना पर आगे विचार करना संभव हो सकेगा।

(ग) जी नहीं।

(घ) किसी क्षेत्र अथवा मंडल के लिए केन्द्रीय सहायता की व्यवस्था रेल मंत्रालय द्वारा नहीं की जाती। बहरहाल, इस कार्य के लिए 1996-97 के बजट में मुहैया कराया गया परिव्यय 11.01 करोड़ रु० है।

Central assistance for training centre at Mattupetty

648. SHRI JOY NADUKKARA: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) whether a proposal for Central Assistance to the tune of Rs. 100 lakhs is pending before the centre to modernise and strengthen the present training centre at Mattupetty and Palakad to give practical training to the professionals in the field of cattle breeding frozen semen technology and fodder production;

(b) will the Government sanction these proposals since these centres are unique on various aspects and givng training for professional all over India; and

(c) if so, by when the decision is likely to be taken, if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) to (c) Yes Sir. The proposal is being examined by government agencies. The Government will take a decision soon on the proposal.

मद्य-निर्माणशालाओं के कारण होने वाला जल प्रदूषण

649. **श्री सोमपाल:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सही है कि देश में बहुत सी मद्य-निर्माणशालाओं और स्पिरिट बनाने वाले कारखानों द्वारा हानिकारक तरल कचरे खुले नालों में बहा दिए जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप सभी छोटी-बड़ी नदियां प्रदूषित हो जाती हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके कारण अनेक स्थानों पर भूमिगत जल प्रदूषित और विषैला हो गया है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उत्तर प्रदेश विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित मद्य-निर्माणशालाओं, कागज के कारखानों और अन्य रासायनिक कारखानों के कारण यमूना, गंगा और इनकी सहायक नदियों तथा इनके आसपास के क्षेत्रों में स्थित भूमिगत कुओं का जल भी प्रदूषित हो गया है; और

(घ) यदि हां, तो प्रदूषण पैदा करने वाले कारखानों की सूची तथा उनके विरुद्ध अब तक की गई एवं भविष्य में की जाने वाली कार्यवाहियों का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) और (ख) देश में अधिकतर मद्य-निर्माणशालाओं और स्पिरिट बनाने वाले कारखानों में बहिस्राव शोधन सुविधा लगा ली है और वे शोधन के बाद ही अपना बहिस्रावों को विसर्जित कर रहे हैं, लेकिन कुछ मामलों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिनके परिणामस्वरूप कुछ स्थानों पर सतह/भूमि जल सुदूषित हो रहा है।

(ग) और (घ) उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार उत्तर प्रदेश में नदी प्रदूषण का मुख्य कारण शहरी मलजल और उद्योगों का अपशिष्ट जल है। इन सेक्टरों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित कुल 81 उद्योगों जैसेकि मद्य-निर्माणशालाएं, पेपर मिलें और रसायन में से 78 कारखानों में बहिस्राव शोधन संयंत्र लगाए हैं और शेष 3 दोषी इकाइयों की स्थिति इस प्रकार है:

इकाई का नाम	स्थिति	टिप्पणी
1. केन्द्रीय मद्यशाला, मेरठ	बहिस्राव शोधन संयंत्र नहीं लगाया।	11.3.94 से यूनिट बंद है।
2. कामशी पेपर (प्रा.) लि॰ गजरौला, मुरादाबाद	बहिस्राव शोधन संयंत्र निर्माणाधीन है।	--
3. कोरल न्यू पेपर, गजरौला, मुरादाबाद	-वही-	--

Increase in Berth Quota Reservations in Gujarat

650. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his Ministry have received a number of representations for increasing the berth quota reservations at various railway stations in Gujarat for the trains directly connected with Delhi and Mumbai; and

(b) if so, the details thereof and the action taken or proposed to be taken alongwith the details of quota so increased in each train?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) The details are as under:

	Station/Train No.	Direction
Vapi	2925 Paschim Express	Delhi
Amalsad	42 Viramgram-Mumbai Passenger	Mumbai
	9023 Janata Express	Delhi
Billimora	9022 Flying Rance Express	Mumbai
	9012 Gujarat Express	Mumbai
Chappi	9018 Saurashtra-Janata Express	Mumbai
	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Jamnagar	9018 Saurashtra-Janata Express	Mumbai
Mumbai	9216 Saurashtra Express	Mumbai
Dholka	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Dhandhuka	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Botad	9006 Saurashtra Mail	Mumbai
Jetpur	9006 Saurashtra Mail	Mumbai